अध्याय-1

आशा भोंसले जी का जीवनवृत एवं सांगीतिक सफर

भूमिका

आशा भोंसले जी हिन्दी फिल्मों की मशहूर पार्श्व गायिका हैं। आशा जी लता मंगेशकर जी की छोटी बहन और पण्डित दीनानाथ मंगेशकर जी की पुत्री हैं। आशा जी ने फिल्मी और गैर फिल्मी लगभग सोलह हज़ार गाने गाये। इनकी आवाज़ के प्रशंसक पूरी दुनियां में फैले हुए हैं। आशा जी ने कई भाषाओं में गाने गाए जैसे बंगला, भोजपुरी, गुजराती, हिन्दी, मराठी, मलयालम, पंजाबी, तामिल, उर्दू, अंग्रेज़ी, और रुसी भाषा के भी अनेक गीत गाए।

1.1 जन्म और पारिवारिक पृष्ठभूमि

आशा जी का जन्म 8 सितम्बर सन् 1933 को महाराष्ट्र के सांगली ज़िले के एक मराठी परिवार में हुआ। इनके पिता जी का नाम पण्डित दीनानाथ मंगेशकर था। जो कि एक प्रसिद्ध गायक और नायक थे। इनकी माता जी का नाम शेवन्ति मंगेशकर था जो कि पण्डित दीनानाथ मंगेशकर जी की दूसरी पत्नि थीं। यह भी एक संगीत निर्देशिका थीं। स्वर्गवासी लता मंगेशकर जी एक बहुत बड़ी गायिका थीं। जो कि आशा जी की बड़ी बहन थीं। इनकी छोटी बहन का नाम ऊषा मंगेशकर है यह भी एक गायिका हैं। ऊषा जी से छोटी बहन मीना खदीगड़ हैं जो कि संगीत निर्देशिका हैं।

1.2 सांगीतिक शिक्षा

पण्डित दीनानाथ मंगेशकर जी ने शास्त्रीय संगीत की शिक्षा काफी छोटी उम्र में आशा जी को दी। जब आशा जी केवल नौ वर्ष की थी इनके पिता का देहान्त हो गया। पिता के मरण उपरान्त इनका परिवार पुणे से कोहलापुर और उसके बाद मुम्बई आ गया था।

परिवार की सहायता के लिए आशा जी और उनकी बड़ी बहन लता मंगेशकर जी ने गाना गाने और फिल्मों में अभिनय करना आरम्भ कर दिया। [1]

1943 में इन्होने पहली बार मराठी फिल्म "माझा बाळ" में गीत गाया। यह गीत "चला चला नव बाळ" ---- दत्ता डावजेकर के द्वारा संगीतबद्ध किया गया। उसके बाद 1948 में हिन्दी फिल्म 'चुनरिया' का गीत 'सावन आया' हंसराज बहल के संगीत निर्देशन में गाया। दक्षिण एशिया की प्रसिद्ध गायिका के रुप में आशा जी ने गीत गाए जैसे फिल्मी संगीत ,क्षेत्रीय संगीत पॉप, गीत गज़ल, भजन, शबद, कव्वाली, रवीन्द्र संगीत, नज़रुल इनके गीतों में सम्मिलित हैं। इन्होने 14 से अधिक भाषाओं में गीत गाए। भोजपुरी, बंगला, गुजराती, हिन्दी, मराठी, मलय, मलयालम, नेपाली, पंजाबी, रशियन,जाइच, आदि। 16000 से अधिक गीतों को आशा जी ने आवाज़ दी। महान पार्श्व गायक किशोर कुमार जी आशा जी के मनपसन्द गायक थे।

1.3 विवाह एवं व्यक्तिगत जीवन

16 वर्ष की आयु में अपने 31 वर्षीय प्रेमी गणपत राव भोंसले के साथ घर से पलायन कर पारिवारिक इच्छा के विरुद्ध विवाह किया। जिस वजह से उनके पारिवारिक रिश्तों में दरार आ गई। गणपत राव भोंसले लता जी के निजी सचिव थे। यह विवाह असफल रहा। पति एवं उनके भाईयों के बुरे बर्ताव के कारण इस विवाह का दुखान्त हो गया। 1967 के आस पास विवाह विच्छेद के बाद आशा जी अपनी माँ के घर दो बच्चों और तीसरे गर्भस्थ शिशु (आनन्द) के साथ लौटीं। 1980 ई. में आशा जी ने सचिनदेव बर्मन के बेटे राहुल देव बर्मन (पंचम) से विवाह किया। यह विवाह आशा जी ने राहुल देव बर्मन जी की अंतिम साँसों तक सफलतापूर्वक निभाया। आशा जी का घर दक्षिण मुम्बई, पेडर रोड क्षेत्र में प्रभुकुंज अपार्टमेंट में स्थित है। इनके तीन बच्चे हैं। साथ ही पाँच पौत्र भी हैं। इनका सबसे बड़ा लड़का हेमन्त भोंसले हैं। हेमन्त ने पायलट के रुप में अधिकांश समय बिताया। आशा जी की बेटी हेमन्त से छोटी हैं "वर्षा"। वर्षा ने 'The Sunday

[1] यह जानकारी Wikipedia से ली गई है।

Observer' और Rediff' के लिए कॉलम लिखने का काम किया। आशा जी का सबसे छोटा पुत्र आन्नद भोंसले हैं। आन्नद ने बिजनेस और फिल्म निर्देशन की पढ़ाई की। आन्नद भोंसले ही आशा जी के करियर की इन दिनों देखभाल कर रहे हैं। हेमन्त भोंसले के सबसे बड़े पुत्र चैतन्य (चिन्टु) "बॉय बैंड" के सफल सदस्य के रुप में विश्व संगीत से जुड़े हुए हैं। अनिका भोंसले (हेमन्त भोंसले जी पुत्री) सफल फोटोग्राफर के रुप में कार्य कर रही हैं।

1.4 गायिकी के क्षेत्र में संघर्ष

एक समय जब प्रसिद्ध गायिका यथा– गीता दत्त, शमशाद बेगम, और लता मंगेशकर जी का ज़माना था। चारों ओर इन्हीं का प्रभुत्व था। आशा जी गाना चाहती थीं पर उन्हें गाने का मौका तक नहीं दिया जाता था। आशा जी सिर्फ दूसरे दर्जे की फिल्मों के लिए ही गा पाती थीं। 1950 के दशक में बॉलीवुड की अन्य गायिकाओं की तुलना में आशा जी ने कम बजट "बी" और "सी" ग्रेड की फिल्मों के लिए बहुत से गीत गाए। इन के गीतों के संगीतकार ए. आर. कुरैशी(अल्लाह रख्खा खान), सज्जाद हुसैन और गुलाम मुहम्मद थे। 1952 ई. में दिलीप कुमार अभिनीत फिल्म 'संगदिल' जिसके संगीतकार सज्जाद हुसैन थे, ने प्रसिद्धि दिलाई। परिणाम स्वरुप बिमल राय ने एक मौका आशा जी को अपनी फिल्म 'परिणीता' के लिए दिया। राज कपूर ने गीत 'नन्हे मुन्ने बच्चे' के लिए मुहम्द रफी के साथ फिल्म 'बूट पॉलिश' के लिए अनुबन्धित किया। जिस ने काफी प्रसिद्धि आशा जी को दिलाई। ओ. पी नैय्यर ने आशा जी को बहुत बड़ा अफसर 'सी. आई. डी.' '1956' के गीत गाने के लिए दिया। इस प्रकार 1957 की फिल्म 'नया दौर' बी. आर. चोपड़ा ने नैय्यर साहिब को संगीतकार के रुप में तथा आशा जी को गायिका के रुप में मौका दिया और आप को पहली बड़ी सफलता प्राप्त हुई। इस सांझेदारी ने कई प्रसिद्ध गीतों को जनमानस के बीच लाने में महत्तवपूर्ण योगदान दिया।

आशा जी 1990 तक लगातार गाती रहीं। 1995 की हिट फिल्म "रंगीला" से एक बार पुनः अपनी दुसरी पारी का आरम्भ किया। अक्तूबर 2004 'The very best of Asha

Bhosle' "The queen of Bollywood" आशा जी के द्वारा गाए गए गीतों का एलबम (1966–2003) तक रिलीज़" किया गया।

1.5 संगीत निर्देशकों के साथ सांझेदारी

1.5.1 . ओ. पी. नैय्यर के साथ सांझेदारी

संगीतकार ओ. पी. नैय्यर की सांझेदारी ने आशा भोंसले जी को एक खास पहचान दिलाई। कई लोगो ने इनके आपसी संबंध को प्रेम संबंध मान लिया। नैय्यर जी पहली बार 1952 में आशा जी से एक गीत "छम छमा छम" --- की संगीत रिकार्डिंग के समय मिलें। पहली बार इन्होने फिल्म "माँगू" (1954) के लिए आशा जी को बुलाया। फिर इन्होने एक बहुत बड़ा मौका 'सी.आई.डी.' (1956) में आशा जी को दिया। इस प्रकार "नया दौर" (1957) के गीत "उड़े जब जब जुल्फे तेरी", गीत "आइए मेहरबान" (हाबड़ा ब्रिज 1958), "मैं प्यार का राही हूँ" (एक मुसाफिर एक हसीना1962), 'इशारों इशारों में दिल लेने वाले'(कश्मीर की कली 1964), "ये है रेशमी जुल्फों का अंधेरा" (मेरे सनम 1965), आदि। इनकी सांझेदारी के कुछ प्रसिद्ध गीत "आओ हज़ूर तुमको" (किस्मत), "जाइए आप कहाँ जाएंगे" (मेरे सनम) आदि। 5 अगस्त 1972 को दोनो में अलगाव हो गया यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि किन कारणों से दोनों में अलगाव हुआ।

1.5.2 . खय्याम जी के साथ सांझेदारी

दूसरे संगीतकार जिन्होने आशा जी की प्रतिभा को पहचाना और इनकी सांझेदारी में आशा जी ने इनकी पहली फिल्म 'बीवी' (1948) के लिए गाया। 1950 में खय्याम ने कई अच्छे अनुबंध आशा जी के साथ किए। यथा फिल्म 'दर्द', 'फिर सुबह होगी' आदि। किन्तु इन दोनो की सांझेदारी की सबसे यादगार फिल्म 'उमराव जान' के गाने रहे।

1.5.3 . रवि जी के साथ सांझेदारी

संगीत निर्देशक रवि आशा भोंसले जी को अपनी पंसददीदा गायिकाओं में से एक मानते थे। आशा जी ने इनकी पहली फिल्म 'वचन' (1955) में गीत गाया। 'चंदा मामा दूर के' गीत रातों रात भारतीय माताओं के बीच प्रसिद्ध हो गया। जब अधिकांश संगीतकार आशा जी को बी ग्रेड गीत गाने के लिए जानते थे। उन दिनों रवि ने आशा जी से भजन गाने को कहा जिनमें ;घराना', 'गृहस्थी', 'काजल', और 'फूल और पत्थर' फिल्में प्रमुख हैं। रवि और आशा जी ने कई प्रसिद्ध गीतों को रिकार्ड किया जिनमें किशोर कुमार के साथ गाए और उनके मज़ेदार गीत 'सी.ए टी केट माने बिल्ली' (दिल्ली का ठग) आदि हैं। रवि द्वारा संगीतबद्ध आशा जी के प्रसिद्ध भजन 'तोरा मन दर्पण कहलाए' (काजल) आदि है। इनकी सांझेदारी में कई प्रसिद्ध फिल्मों के गीत रिकार्ड हुए यथा 'वक्त', 'चौहदवीं का चाँद', 'गुमराह', 'बहुबेटी', 'चाइनाटाउन', 'आदमी और इन्सान', 'धुँध', 'हमराज़', आदि हैं। 'चौहदवीं के चाँद' में रवि गीतादत्त (प्रोडयूसर–गुरुदत्त की पत्नि) से गीत गवाना चाहते थे किन्तु गुरुदत्त की जिद्द के कारण आशा जी ने गीत गाए जो काफी प्रसिद्ध हुए।

1.5.4 . सचिनदेव बर्मन जी के साथ सांझेदारी

1957 के बाद आशा भोंसले और एस. डी. बर्मन की सांझेदारी में हिट गीत रिकार्ड हुए। यथा फिल्म 'काला पानी', 'काला बाज़ार', 'इन्सान जाग उठा', 'लाजवंती', 'सुजाता' और 'तीन देवियाँ'(1965) आदि हैं। मोहम्द रफी और किशोर कुमार के साथ गाए युगल गीत आशा जी के काफी प्रसिद्ध रहे। 'अब के बरस' गीत बिमल राय की फिल्म 'बन्दिनी' (1960) ने आशा जी को प्रमुख गायिका के रुप में स्थापित किया। अभिनेत्री तनुजा पर फिल्मांकित गीत 'रात अकेली है'––– (ज्वेलथीफ़1967) काफी प्रसिद्ध हुआ।

1.5.5 . राहुल देव बर्मन

आशा जी ने संगीतकार राहुल देव बर्मन (पंचम) की सांझेदारी में फिल्म 'तीसरी मंजिल'(1966) में पहली बार लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर पाई। आशा जी

ने आर.डी. बर्मन के साथ कैबरे, रॉक, डिस्को, गज़ल, भारतीय शास्त्रीय संगीत पर आधारित गीत तथा और भी बहुत गीत गाए। 1970 में आशा भोंसले जी ने पंचम जी साथ कई युवा गीत गाए यथा 'पिया तू अब तो आजा', ---(कारवां1967) हेलन पर फिल्मांकित, 'दम मारो दम',---(हरे रामा हरे कृष्णा 1971), 'दुनियां में' ---- (अपना देश 1972), 'चुरा लिया है तुमने'----(यादों की बारात) आदि हैं। इसके इलावा पंचम के संगीत निर्देशन में आशा जी ने किशोर कुमार के साथ कई प्रसद्ध युगल गीत गाए यथा 'जानेजां, ढूँढ़ता फिर रहा'---(जवानी दिवानी), 'भली भली सी एक सूरत'---(बूढ़ढा मिल गया) आदि। 1980 में पंचम और आशा जी ने कई प्रसिद्ध गीतों को रिकार्ड किया फिल्म 'इज़ाजत' (1987) 'मेरा कुछ सामान'---,'खाली हाथ शाम आई है'---,'कतरा कतरा'---,आदि प्रसिद्ध गीतों को रिकार्ड किया। 'ओ मारिया'---(सागर), के गीतों को भी रिकार्ड किया। गुलज़ार जी की फिल्म 'इजाज़त' को आर. डी. बर्मन के संगीत निर्देशन में आशा जी को राष्ट्रीय पुरस्कार बेस्ट सिंगर प्राप्त हुआ। आर. डी. बर्मन जी ने कई हिन्दी प्रसिद्ध गीतों को बंगाली भाषा में आशा जी की आवाज़ को रिकार्ड किया यथा 'मोहुए झुमेछे आज माऊ गो चोखे-चोखे कोथा बोले चोखे नामे बृष्टि'(बंगाली रुपांतरण गीत प्यार दीवाना होता है) आदि।

1.5.6 . जयदेव जी के साथ सांझेदारी

संगीत निर्देशक जयदेव, एस. डी. बर्मन के सहायक के तौर पर पहले काम करते थे। बाद में इन्होने स्वतंत्र रुप से संगीत निर्देशन करना आरम्भ किया। संगीतकार जयदेव ने आशा जी के साथ कई फिल्मों के गीत रिकार्ड किए यथा—'हम दोनों'(1961), 'मुझे जीने दो'(1963), 'दो बूँद पानी'(1971), आदि। जयदेव और आशा जी ने फिल्मी गीतों के इलावा 8 गीतों का एक खास संग्रह जिनमें गज़ल एवं कुछ अन्य गीत शामिल थे को AN UNFORGETABLE TREAT के नाम से निकाला। आशा जी जयदेव की अच्छी मित्र मानी जाती थीं। 1987 में जयदेव जी के मरणोपरांत आशा जी ने कम प्रसिद्ध गीत जो जयदेव के द्वारा संगीतबद्ध थे को 'सुरांजली' नाम से निकाला।

1.5.7 . शंकर जयकिशन जी के साथ सांझेदारी

शंकर जय किशन जी ने आशा जी के साथ कम काम किया, फिर भी कुछ हिट गीत रिकार्ड किए यथा– 'परदे में रहने दो'––– (शिखर 1968) इस गीत के लिए आशा जी को द्वितीय फिल्म फेयर का अवार्ड मिला। आशा जी ने एक प्रसिद्ध गीत शंकर जयकिशन जी के लिए गाया जो किशोर कुमार जी की आवाज़ में ज्यादा प्रसिद्ध था यथा– 'ज़िन्दगी का सफर है सुहाना'–––(अंदाज़) जब राजकपूर की लता मंगेशकर जी के साथ बातचीत बंद थी तब आशा जी ने शंकर जयकिशन जी के संगीत निर्देशन में फिल्म 'मेरा नाम जोकर' (1970) के गीत गाए।

1.5.8 . इलैयाराजा

दक्षिण भारतीय संगीत निर्देशक इलैयाराजा ने 1980 के दौरान आशा जी की आवाज़ को रिकार्ड करना आरम्भ किया। इन दोनों की सांझेदारी में फिल्म 'मुन्दरम पइराई' (1982) (या सदमा, इसकी हिन्दी रिमेक 1983) में बनी। इस खास सांझेदारी के प्रसिद्ध गीत 'सीनबागमाइ' (इनगा ओरु पट्टुकारन–1987, तामिल फिल्म) आदि हैं। 2000 ई. में आशा जी ने इलैयाराजा के संगीत निर्देशन में कमल हसन की फिल्म 'हे राम' के मूल गीत गाए। 'जन्मों की ज्वाला'–––(या अर्पणा का थीम गीत) को गज़ल गायक हरीहरन के साथ गाया।

1.5.9 . अनु मलिक

अनु मलिक और आशा जी ने कई हिट गीत रिकार्ड किए जिनमें इनकी संगीतबद्ध पहली फिल्म 'सोहनी-महिवाल', (1984) शामिल हैं। अनु मलिक के संगीत निर्देशन में बहुत प्रसिद्ध गीतों में 'फिलहाल' –––(फिलहाल), 'किताबें बहुत सी'––– (बाज़ीगर) आदि शामिल हैं। अनु मलिक के संगीत निर्देशन में आशा जी ने चार पंक्ति 'जब दिल मिलें' ––––(यादें), सुखविंदर सिंह, उदित नारायण और सुनिधि चौहान के साथ गाया।

आशा जी ने अनु मलिक के पिता सरदार मलिक के लिए 1950 से 1960 ई. में गाया। जिनमें प्रसिद्ध फिल्म 'सारंगा'(1960) शामिल है।

1.5.10 ए. आर. रहमान जी के साथ सांझेदारी

1995 में फिल्म रंगीला में आशा जी ने ए. आर. रहमान संगीत निर्देशक के साथ अपनी दूसरी पारी की शुरुआत की। इसका श्रेय ए. आर. रहमान को जाता है। चार्ट बस्टर के हिट गीत 'तन्हा–तन्हा'–––और 'रंगीला रे'––––से आशा जी को पुनः प्रसिद्धि मिली। रहमान और आशा जी की सांझेदारी में कई गीत रिकार्ड हुए जिनमें प्रसिद्ध हिट गीत 'मुझे रंग दे' ––––(तक्षक), 'राधा कैसे ना जले'––––(लगान), युगल गीत उदित नारायण के साथ, 'कहीं आग लगे' –––(ताल), 'जो भँवरे' –––(दौड़, युगल गीत के.जे.यशुदास) 'वनीला–वनीला'–––(अरुवर 1999), प्रमुख हैं। रहमान ने एक बार कहा मैं सोचता हूँ कि आशा जी और लता जी के कद में जो संगीत फिट बैठता है वैसा मैंने तैयार किया।

1.5.11 अन्य संगीत निर्देशकों के साथ सांझेदारी

मदन मोहन ने 'झुमका गिरा रे'––––(मेरा साया 1966), प्रसिद्ध गीत को आशा जी की आवाज़ में रिकार्ड किया। सलिल चौधरी ने फिल्म 'छोटी सी बात' (1975) में 'जानेमन जानेमन' ––––युगल गीत के. जे. यशुदास के साथ रिकार्ड किया। सलिल चौधरी की फिल्म 'जागते रहो' (1956) गीत 'ठण्डी–ठण्डी सावन की फुहार' ––––आशा जी की आवाज़ में रिकार्ड किया। संगीतकार संदीप चौटा के साथ आशा जी ने 'कमबख्त इश्क' –––(एक युगल गीत सोनू निगम के साथ) फिल्म 'प्यार तूने क्या किया'––– (2001) के लिए गाया जो युवाओं में काफी लोकप्रिय हुआ। आशा जी ने लक्ष्मीकांत–प्यारेलाल, नौशाद, रवीन्द्र जैन, एन. दत्ता, हेमन्त कुमार के लिए गीत गाए और साथ काम किया। बॉलीवुड के अन्य प्रसिद्ध संगीतकारों के साथ भी आशा जी ने काम किया

जिनमें जतिन–ललित, बप्पी लहरी, कल्याण जी– आन्नद जी, ऊषा खन्ना, चित्रगुप्त एवं रौशन शामिल हैं।[2]

1.5.12 मराठी संगीत

लता मंगेशकर जी के साथ आशा जी मराठी संगीत की सिरमौर रहीं हैं। (क्योकि मराठी उनकी मातृ भाषा हैं) आशा जी मराठी भाषा के अनेकों गीत गा चुकी हैं जिनमें प्रसिद्ध कवियों की कविता हैं, जो भावगीत के रुप में प्रसिद्ध है। यथा प्रसिद्ध एलबम 'रुतु हिरावा' (सीन सीज़न) दो श्रीधर पाडके द्वारा रचित है। अपने भाई हृदयनाथ मंगेशकर द्वारा संगीतबद्ध आशा जी के कई प्रसिद्ध गीत हैं। आशा जी द्वारा गाए मराठी भजन काफी प्रचलित और प्रसिद्ध हैं।

1.6 संगीत के इलावा आशा जी के रुझान

आशा जी एक गायिका के इलावा बहुत अच्छी कुक (रसोईया) भी है। कुकिंग इनका पसंदीदा शौक हैं। बॉलीवुड के बहुत सारे लोग आशा जी के हाथों से बनी "कढ़ाई गोस्त" व 'बिरयानी' के लिए अनुरोध करते हैं। आशा जी भी इन्कार नहीं करती। बॉलीवुड के कपूर खानदान में आशा जी द्वारा बनाए गए पाया करी, गोझन फिश करी और दाल काफी प्रसिद्ध हैं। एक बार जब the times of India के एक साक्षात्कार में पूछा गया कि यदि आप गायिका न होती तो क्या करती? आशा जी ने जवाब दिया कि मैं एक अच्छी रसोईया (कुक) बनती। आशा जी एक सफल रेस्तरों संचालिका हैं। इनके रेस्तरों दुबई और कुवैत में आशा नास से प्रसिद्ध हैं। 'वाफी ग्रुप' द्वारा संचालित रेस्तरों में आशा जी के 20% भागीदारी हैं। वाफी सीटी दुबई और दो रेस्तरों कुवैत में पारम्पारिक उत्तर भारतीय व्यंजन के लिए प्रसिद्ध हैं। आशा जी ने शैफ्स को स्वयं 6 महीनों का ट्रेनिंग दिया हैं।

[2] आशा जी द्वारा गाए गए गानों में जिन–जिन संगीतकारों की सांझेदारी हुई है,उनके नाम एवं इससे संबंधित सारी जानकारी internet से प्राप्त की गई है।

दिसम्बर 2004 में मेनु मैगज़ीन के रिपोर्ट के अनुसार रसेल स्कॉट जो हैरी रामसदेन के प्रमुख हैं आने वाले पांच सालों में आशा जी के ब्रैण्ड के अन्तर्गत 40 रेस्तरों पूरे U.K के खोले गए हैं। आशा जी के फैशन और पहनावे में सफेद साड़ी चमकदार किनारों वाली, गले में मोतियों का हार और हीरा प्रसिद्ध हैं। आशा जी एक अच्छी मिमिक्री अदाकारा भी हैं।[3]

1.7 सम्मान और उपाधियां

फिल्म फेयर बेस्ट फिमेल प्लेबैक अवार्ड

1968 'गरीबों की सुनो'—(दस लाख–1766)

1969 'परदे में रहने दो'—(शिकार 1968)

1972 'पिया तू अब तो आजा'–(कारवाँ 1971)

1973 'दम मारो दम' –(हरे रामा हरे कृष्णा 1972)

1974 'होने लगी है रात'–(नैना 1973)

1975 'चैन से हमको कभी'–(प्राण जाए पर वचन न जाए 1974)

1979 'ये मेरा दिल'–(डॉन–1978)

अन्य पुरस्कार

1996 स्पेशल अवार्ड–(रंगीला 1995)

2001 फिल्म फेयर लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

1981 'दिल चीज़ क्या है'–(उमराव जान)

[3] यह जानकारी Wikipedia से ली गई है।

1986 'मेरा कुछ सामान'–(इजाज़त)

अन्य यादगार पुरस्कार

1987 नाइटीनेंगल आफ एशिया अवार्ड (इंडो–पाक एशोशिएशन यू.के.)

1989 लता मंगेशकर अवार्ड (मध्य प्रदेश सरकार)1997 स्क्रीन विडियोकान अवार्ड (जानम समझा करो एलबम के लिए)

1997 एम. टी.वी. अवार्ड (जानम समझा करो एलबम के लिए)

1997 चैनल वी अवार्ड(जानम समझा करो एलबम के लिए)

1998 दयावती मोदी अवार्ड

1999 लता मंगेशकर अवार्ड(महाराष्ट्र सरकार)

2000 सिंगर ऑफ द मिलेनियम (दुबई)

2000 ज़ी गोल्ड बॉलीवुड अवार्ड (मुझे रंग दे– फिल्म तक्षक के लिए)

2001 एम. टी. वी. अवार्ड (कमबख्त इश्क के लिए)

2002 बी बी सी लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड(यू.के. प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर के द्वारा प्रदत)

2002 ज़ी सीने अवार्ड फॉर बेस्ट प्लेबैक सिंगर –फिमेल (राधा कैसे न जले– फिल्म – लगान)

2002 सैनसुई मूवी अवार्ड (राधा कैसे न जले– फिल्म –लगान के लिए)

2003 सवराल्य येशुदास अवार्ड (भारतीय संगीत में उत्कृष्ट योगदान के लिए)

2004 'लाईविंग लीजेंड अवार्ड' (फेडरेशन ऑफ इंडियन चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज़ के द्वारा)

2005 एम टी वी ईमीज़, 'बेस्ट फीमेल पॉप ऐक्ट' (आज जाने की ज़िद न करो)

2005 'मोस्ट स्टाइलिश पीपूल अवार्ड इन म्युज़िक'

1997 मई आशा जी पहली भारतीय गायिका बनी जो 'ग्रेमी अवार्ड' के लिए नामित की गई (उस्ताद अली अकबर खान के साथ एक विशेष एलबम के लिए)

आशा जी ने सत्तरहवीं महाराष्ट्र स्टेट अवार्ड प्राप्त किया।

भारतीय सिनेमा में उत्कृष्ट योगदान के लिए सन 2000 में 'दादा साहिब फालके अवार्ड' से सम्मानित की गई।

आशा जी को साहित्य में डॉक्टरेट की उपाधि से अमरावती विश्वविद्यालय एवं जलगांन विश्वविद्यालय द्वारा सम्मानित किया गया।

'द फ्रिडी मरकरी अवार्ड' कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए आशा जी को इस खास पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

नवम्बर 2002 में आशा जी को 'बर्मिघम फिल्म फेस्टिवल' विशेष रुप से समर्पित किया गया।

पद्मविभूषण

5 मई 2008 में आशा जी को देश की महिला राष्ट्रपति प्रतिभा सिंह पाटिल द्वारा 'पदम विभूषण' अवार्ड से सम्मानित किया गया।[4]

[4] यह जानकारी Wikipedia से ली गई है।

द्वितीय अध्याय

शोध प्रविधि

किसी भी शोध कार्य को सफलतापूर्वक करने के लिए किसी विशेष विधि का प्रयोग किया जाता है। सही शोध विधि ही शोध कार्य को लक्ष्य तक पहुंचाने में मददगार साबित होती हैं। शोध कार्यों की अनुकूल सामग्री को एकत्रित करके शोध कार्य को सम्पूर्णता प्रदान की जाती है।

2.1 समस्या कथन

सुप्रसिद्ध पार्श्व गायिका आशा भोंसले जी का संगीत कला के प्रति योगदान।

2.2 अध्ययन का उद्देश्य

प्रस्तुत लघु शोध परियोजना का उद्देश्य बहुआयामी प्रतिभा की स्वामिनी श्री मति आशा भोंसले जी के व्यक्तित्व और कार्यों का अध्ययन करना है। आशा जी एक ऐसी पार्श्व गायिका हैं जिन्होने एक तरफ भक्ति की अनेकों रचनाएं गाईं, गज़ले गाईं, भारतीय शास्त्रीय संगीत पर आधारित गीत गाए तो दूसरी तरफ Western Music पर आधारित पॉप और बीट सांग भी गाए। ऐसे व्यक्तित्व का अध्ययन हम सब को इस बात की प्रेरणा देगा कि संगीत से जुड़े हुए विद्यार्थी को अपने अंदर सभी गुणों को बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए।

2.3 अध्ययन का महत्व

इस लघु शोध परियोजना के अध्ययन का महत्व इस बात में नीहित है कि इस तरह की बहुरंगी प्रतिभा की मालकिन आशा भोंसले के व्यक्तित्व का अध्ययन किया जाना चाहिए। उनके द्वारा गाई गईं बहुरंगी रचनाओं के बारे में उनके सांगीतिक और

भावात्मक तथ्यों पर टिप्पणी समाहित होगी। इसी में लघु शोध परियोजना का महत्व छिपा हुआ है।

2.4 शोध विधि

प्रस्तुत शोध कार्यों को सम्पन्न करने के लिए व्याख्यात्मक और एतिहासिक विधि का प्रयोग किया गया है।

2.5 दत्त स्त्रोत

इस लघु शोध परियोजना को सम्पन्न करने के लिए प्राथमिक और माध्यमिक दोनो स्त्रोतों को अपनाया गया हैं। प्राथमिक स्त्रोतों में अध्यापकों से चर्चा, द्वितीय स्त्रोतों में पुस्तकों, पत्र पत्रिकाओं तथा Websites का अध्ययन शामिल हैं।

2.6 शोध कार्य का सीमांकन

किसी भी शोध कार्य के लिए मिले हुए समय को ध्यान में रखते हुए उसे सीमांकित करना आवश्यक होता हैं। मैंने समय सीमा को ध्यान में रखते हुए आशा जी द्वारा गाई गई 25 रचनाओं के अध्ययन को ही चयनित किया हैं।

तृतीय अध्याय

आशा जी द्वारा गायी गई 25 लोकप्रिय रचनाओं का सौन्दर्यात्मक विश्लेषण

भूमिका

जब भी हम किसी गायक को सुनते हैं तो हमारे मन पर उनकी गायिकी का गहरा असर पड़ता हैं। आशा भोंसले जी एक बहुमुखी गायिका हैं। इन्होने संगीत में अलग–अलग रंग के गीत गाए जैसे शास्त्रीय संगीत पर आधारित फिल्मी गीत, भक्ति रचनाएं, गज़ल, शबद गायन वहीं दूसरी तरफ Western Music and beat Songs आदि गाए। इन्हीं रचनाओं में से हम 25 लोकप्रिय रचनाओं का सौन्दर्यात्मक वर्णन करेगें। लेकिन उससे पहले सांगीतिक सौन्दर्य का उल्लेख करना आवश्यक है।

3.1 सांगीतिक सौन्दर्य

संगीत में गायन को प्रमुख माना गया है अर्थपूर्ण काव्य को स्वर ताल में संयोजित करके जब हम गाते बजाते हैं तो गायन की सृजना होती है। गायन का अध्ययन करने के उपरान्त उसमें शब्द का क्या भाव है, धुन की क्या खूबसूरती होती है का पता चलता है।

भारतीय संगीत में सौन्दर्य के सामान्य उपकरणों की बहुत बड़ी उपयोगिता है। गायन, वादन तथा नृत्य का प्रदर्शन करते समय स्वर, लय तथा ताल की समानता और उनकी विविधता से सौन्दर्य उत्पन्न होता है। कठिन लयकारियों के प्रयोग में आविर्भाव–तिरोभाव, अल्पत्व–बहुत्व से सौन्दर्य की उत्पत्ति होती है। संगीत में आपेक्षित सामग्रियों की सुव्यवस्था से अनेक लयकारियों का प्रयोग करते हुए सम पर आकर अनेकता मे एकता, उचित काल में राग गायन तथा उचित स्वर लगाव के द्वारा औचित्य से गायन, वादन तथा नृत्य में वाद्यों की संगति से स्वर, लय और ताल पर संयम प्राप्त करने से मनोगत भावों की अभिव्यंजना से तथा विवादी स्वरों के कुशल प्रयोग द्वारा भी संगीत में सौन्दर्य की सृष्टि होती है।

इन सब जानकारियों पर अध्ययन करने उपरान्त हम Aesthetic का अध्ययन करते व जानते हैं।

3.1.1 Aesthetic शब्द का अर्थ- Aesthetic शब्द का अर्थ हैं 'सुन्दरता'

सुंदरता किसी एक वस्तु तक सीमित नहीं है अर्थात सम्पूर्ण संसार सुंदरता से भरपूर है। संसार के कण–कण में सुंदरता व्याप्त है। प्राचीन काल में मनुष्य जब सभ्यता और समाज के साथ सम्बंधित था तब भी उसे सुंदरता बढ़ाने का लालच था। वह अपने लिए हड्डियों के गहने बनाता था। वह तरह–तरह से अपने घर को सजाता था। सुंदरता शब्द का प्रयोग जितना समान और व्याप्त है उसका अर्थ उतना ही रहस्यपूर्ण है। सुंदरता को जिन तत्वों पर परिभाषित किया जाए उसका विश्लेषण नहीं किया जा सकता क्योंकि अलग–अलग सुंदरता शास्त्रियों ने इसकी अपने–अपने ढ़ंग से व्याख्या की है।

Aesthetic का शाब्दिक अर्थ

Aesthetic शब्द ग्रीक भाषा के Atotic शब्द से हुआ। जो बाद में बदलकर Aesthetic और बाद में Aesthetics के रुप में प्रयोग हुआ।[5]

3.2 भारतीय शास्त्रीय संगीत पर आधारित फिल्मी गीतः-

3.2.1. भीनी भीनी भौर भौराई

यह गीत शास्त्रीय संगीत पर आधारित है। इस गीत के गीतकार गुलज़ार साहब और संगीतकार आर. डी. बर्मन जी हैं। इसे आशा भोंसले जी ने गाया है। यह गीत राग तोड़ी और तीन ताल के संगीत संयोजन में बंधी हुई ये रचना श्रोताओं के मन को पूरी तरह से

[5] Aesthetic हिन्दी रुपान्तरण सौन्दर्य शास्त्र है। सौन्दर्य शास्त्र के अधीन उन सामान्य नियमों और विशेष नियमों का अध्ययन किया जाता है। जो संगीत कला के सन्दर्भ मे सौन्दर्य उतपत्ति का कार्य करते हैं। उदाहरण के लिए समानता, विविधता, औचित्य, वैचित्य आदि सामान्य नियमों के साथ साथ सांगीतिक–सौन्दर्य उत्पत्ति के विशेष नियम जैसे कि मींड, आन्दोलन, कण, खटका आदि के साथ–साथ काकु प्रयोग आदि का निर्वहन किया जाता है। इन्हीं तथ्यों के प्रकाश में आशा भोंसले द्वारा गाए गए कुछ गीतों का सौन्दर्यात्मक वर्णन आगे प्रस्तुत किया जा रहा है।

द्रवीभूत कर देती है। इसी में इस रचना का सांगीतिक और शाब्दिक सौन्दर्य छिपा हुआ है।

गीत के बोल-

स्थाई- भीनी भीनी भौर भौराई

रुप रुप पर छिड़के सोना

स्वर्ण कलश चमकाती आई---

अन्तरा-माथे सुनहरी टीका लगाई

पात पात पर गोटा लगाई

सात रंग की जाई आई

भीनी-भीनी-----

3.2.2. **झूठे नैना बोले साची बतियां**-

यह गीत शास्त्रीय संगीत पर आधारित है इस गीत को फिल्म लेकिन से लिया गया है। इस गीत के गीतकार गुलज़ार साहब और संगीतकार हृदयनाथ मंगेशकर हैं। इस गीत को आशा भोंसले जी ने गाया है। यह गीत राग बिलासखानी तोड़ी तथा पंजाबी तीन ताल में निबद्ध की गई रचना है। जो श्रोताओं के मन को प्रफुल्लित कर देती है। इस गीत में बीच-बीच में बज रहे पखावज तथा वॉयलिन ग्रुप के साथ अलग-अलग प्रकार के टुकड़ो को दिखाया गया है।

गीत के बोल-

स्थाई- झूठे नैना बोले साची बतियां

नित चाम पावे काले रतियां

अंतरा- जानूं-जानूं झूठे माही की जात

किन सौतन संग तुम काटी रात

अब लिपटी–लिपटी बनाओ न बातियां

झूठे नैना बोले साची बतियां।

3.2.3. चैन से हमको कभी आपने जीने न दिया-

यह संगीत शास्त्रीय संगीत पर आधारित है। यह गीत फिल्म 'प्राण जाए पर वचन न जाए' से लिया गया है। इस गीत के गीतकार S.H Bihari और संगीतकार ओ. पी. नैय्यर जी हैं। इसे आशा भोंसले जी ने गाया है। यह गीत राग माझ खमाज में तथा ताल कहरवा के संगीत संयोजन में बंधी हुई रचना है। इस गीत को सुनकर श्रोताओं का मन खुशी से झूम उठता है। इस गीत में ढोलक और तबला नहीं बजाया गया। लेकिन इसमें बज रहे वाद्यों की सहायता से रिद्यम को दर्शाया गया है।

गीत के बोल

स्थाई- चैन से हमको कभी आपने जीने न दिया

जहर भी चाहा अगर पीने न दिया

अंतरा- चांद के रथ में रात की दुल्हन जब जब आएगी

याद हमारी आपके दिल को तड़पा जाएगी।

आपने जो है किया वो तो किसी ने न किया।

जहर भी चाहा पीना तो पीने न दिया।

चैन से हमको कभी आपने जीने न दिया

3.2.3. ओ मेरे सजना-

यह गीत भी शास्त्रीय संगीत पर आधारित है। इस गीत के गीतकार अंजान और संगीतकार बप्पी लहरी जी हैं। और इस गीत को आशा भोंसले जी ने अपनी आवाज़ दी है। यह गीत रचना राग मिश्र शिवरंजनी तथा ताल कहरवा के संगीत संयोजन में बंधी हुई श्रोताओं के मन को पूरी तरह से भाव विभोर कर देती है। इसी में इस रचना का सांगीतिक सौन्दर्य छिपा हुआ हैं।

गीत के बोल-

स्थाई- ओ मेरे सजना मुझे आस थी तेरी

हर सांस थी तेरी तेरा भी तो प्यार न मिला, मुझे कहीं प्यार न मिला---

अंतरा- तू मेरा कोई नहीं तू भी आज कह गया

दर्द ये भी दिल मेरा जाने कैसे सह गया।

तेरे बिन जिंदगी में बाकी क्या रह गया।

तू न मेरा हुआ, अब क्या करूं दुआ

तेरा भी तो प्यार न मिला, मुझे कहीं प्यार न मिला

ओ मेर सजना---

3.2.4. रोज़-रोज़ डाली-डाली क्या लिख जाए-

यह गीत शास्त्रीय संगीत पर आधारित है। इस गीत को 'अंगूर' फिल्म से लिया गया है। इस गीत के गीतकार गुलज़ार साहब और आर. डी. बर्मन जी हैं। इस गीत को आशा भोंसले जी ने गाया है।यह गीत राग यमन कल्याण तथा पंजाबी तीनताल में निबद्ध है। जो श्रोताओं के मन को मंत्रमुग्ध कर देती है।

गीत के बोल

स्थाई- रोज़ रोज़ डाली डाली क्या लिख जाए

भंवरा बांवरा कलियों के नाम कोई लिखे पैगाम कोई ,बांवरा भंवरा बांवरा

अंतरा– बीते हुए मौसम की कोई निशानी होगी

दर्द पुराना कोई याद पुरानी होगी

कोई तो दासतां होगी न

रोज़–रोज़ ----

3.2.6. **पिया बांवरे-**

यह गीत शास्त्रीय संगीत पर आधारित है। इस गीत को 'खूबसूरत' फिल्म से लिया गया है। इस गीत के गीतकार गुलज़ार साहब और संगीतकार आर. डी. बर्मन जी हैं। यह गीत आशा जी ने बहुत ही सुरीला गाया है। यह गीत राग बिहागड़ा तथा पंजाबी तीन ताल में निबद्ध है। जो श्रोताओं के मन को पूरी तरह से प्रफुल्लित कर देता है, इसी में इस रचना का सांगीतिक सौन्दर्य नीहित है।

गीत के बोल-

स्थाई- पिया बांवरे पी कहां

पिया पिया बोले रे

अंतरा- डार–डार पिया फूलों की चादर बुनें

फूलों की चादर रंगो की झालर बुनें

हुई बावरी ---

पिया बांवरे—

3.2.7. **साथी रे भूल न जाना मेरा प्यार-**

यह गीत शास्त्रीय संगीत पर आधारित है। इस गीत को फिल्म 'कौतवाल साहब' से लिया गया है। इस गीत के गीतकार रवीन्द्र जैन जी हैं। इस गीत को आशा जी ने गाया है। यह राग बसंत मुखारी तथा ताल कहरवा में निबद्ध की गई गीत रचना है। जो श्रोताओं के मन को आनंदित कर देती है। इसी गीत में इस रचना का सौन्दर्य भाव छिपा हुआ है।

गीत के बोल-

स्थाई- साथी रे भूल न जाना मेरा प्यार

मेरी वफा का ऐ मेरे हमदम कर लेना ऐतबार

अंतरा- दूर कभी कर दे जो मज़बूरी, वो दूरी तो होगी नज़र की दूरी

तेरी दुआएं जब अगर साथ रही, आएगी फिर से बहार

साथी रे भूल—

3.2.8. **आओं हुजूर तुमको सितारों में ले चलूँ-**

यह गीत 'किस्मत' फिल्म से लिया गया है। इस गीत के गीतकार नूर देवासी और संगीतकार ओ. पी. नैय्यर जी हैं। इस गीत को आशा भोंसले जी ने गाया है। यह गीत राग सिन्धी भौरवी तथा ताल कहरवा में निबद्ध है। इस गीत को सुनकर श्रोताओं का मन खुशी से प्रसन्न हो उठता है– **गीत के बोल-**

स्थाई- आओ हुजूर तुमको सितारों में ले चलूँ

दिल झूम जाए ऐसी बहारों में ले चलूं

आओ हुजूर आओ—

अंतरा- हमराज हम ख्याल तो हो हम नज़र बनो

तय होंगा जिन्दगी का सफर हमसफर बनों

चाहत के उजले–उजले नज़ारों में ले चलूं

दिल झूम जाए ऐसी बहारों में ले चलूं

आओ हुज़ूर आओ–––

3.2.9. **आईये महरबां-**

यह गीत फिल्म 'हावड़ा ब्रिज' से लिया गया है। इस गीत के गीतकार कमल जलाजबदी और संगीतकार ओ. पी. नैय्यर जी हैं। इस गीत को आशा जी ने गाया है। यह गीत राग शुद्ध कल्याण के स्वरों पर आधारित है तथा ताल कहरवा में निबद्ध है।

गीत के बोल-

स्थाई- आईये महरबां, बैठिए जाने जां

शौंक से लीजिए जी इश्क के इमतेहां

अंतरा- कैसे हो तुम नौजवां, कितने हंसी मेहमां

कैसे करुं मैं बयां, दिल की नहीं है जुबां

आईये मेहरबां–––

3.2.10. **चुरा लिया है तुमने दिल को-**

यह गीत फिल्म 'यादों की बारात' से लिया गया है। इस गीत के गीतकार मज़रुह सुल्तानपुरी और संगीतकार आर. डी. बर्मन जी हैं। इसे आशा भोंसले जी ने गाया है। यह राग मिश्रपीलू तथा ताल कहरवा में निबद्ध है।

गीत के बोल-

स्थाई- चुरा लिया है तुमने जो दिल को

नज़र नहीं चुराना सनम

बदल के मेरी तुम जिंदगानी

कहीं बदल न जाना सनम

ले लिया दिल, हो हाय मेरा दिल

हाय दिल लेकर मुझको न बहलाना

अंतरा- बहार बनके आऊं, कभी तुम्हारी दुनियां में

गुज़र न जाएं ये दिन, कहीं इसी तमन्ना में

तुम मेरे हो हाय तुम मेरे हो

आज बस इतना वादा करते जाना

चुरा लिया---

3.2.11. किस्मत वालों को मिलता है प्यार के बदले प्यार-

यह गीत फिल्म 'मेरा सुहाग' से लिया गया है। इस गीत के गीतकार और संगीतकार रवि शंकर शर्मा जी हैं। इस गीत को आशा भोंसले जी ने गाया है। यह गीत राग शिवरंजनी के स्वरों पर आधारित है तथा ताल कहरवा में निबद्ध है।

गीत के बोल-

स्थाई- किस्मत वालों को मिलता है, प्यार के बदले प्यार

हमतो फूलों के बदले, कांटो के हार

अंतरा- मैने एक देवता को मन में बसा के

सपनों का महल सजाया था

ठुकरा के जिंदगी के मैने सुख सारे

अपना जिसको बनाया था।

उसने ही मेरे दिल को तोड़ा है तार–तार

किस्मत वालों को ––––[6]

3.3. गज़ल

3.3.1. हैरतों के सिलसिले

यह गज़ल 'मिराज़–ए–गज़ल' एलबम से ली गई है। इस गज़ल के रचनाकार अहमद नदीम काज़िम और संगीतकार गुलाम अली जी हैं। इस गज़ल को आशा भौंसले जी ने गाया है। यह गज़ल राग किरवानी तथा ताल रुपक में निबद्ध है।

गज़ल के बोल–

स्थाई- हैरतों के सिलसिले सोज़ ए निहाँ तक आ गए

हम नज़र तक चाहते थे,तुम तो जां तक आ गए।

अंतरा- ना मुरादी अपनी किस्मत गमराही अपना नसीब

कारवां की खैर हो हम कारवां तक आ गए।

3.3.2. सलोना सा सजन है और मैं हूँ-

इस गज़ल के रचनाकार नासीर काज़मी और संगीतकार गुलाम अली जी हैं। इस गज़ल को आशा जी ने गाया हैं। यह गज़ल राग बिहाग तथा ताल दादरा के संगीत संयोजन में बंधी हुई रचना हैं। **गज़ल के बोल-**

स्थाई- सलोना सा सजन है और मैं हूँ

जिया में एक अगन है और मैं हूँ

अंतरा-तुम्हारे रुप की छाया में साजन

[6] ऊपर दिए गए सभी गीतों के बोल, फिल्म एवं ऐलबम की जानकारी google.com से ली गई है।

बड़ी ठण्डी अगन है और मैं हूँ

3.3.3. दिल चीज़ क्या है आप मेरी जान लीजिए-

यह गज़ल फिल्म 'उमराव जान' से ली गई है। इस गज़ल के रचयिता अखलख मोहम्द खान और संगीतकार मोहम्द जाहूर ख्याम हाशमी हैं। इस गज़ल की गायिका आशा भोंसले जी हैं। यह गज़ल राग बिहाग तथा ताल कहरवा में निबद्ध है।

गज़ल के बोल-

स्थाई- दिल चीज़ क्या है आप मेरी जान लीजिए

बस एक बार मेरा कहा माल लीजिए

अंतरा- इस अंजुमन में आपको आना है बार–बार

दीवार–ओ–दर को गौर से पहचान लीजिए

दिल चीज़ क्या है––––

3.3.4. इन आंखो की मस्ती के मस्ताने-

यह गज़ल फिल्म 'उमराव जान' से ली गई है। इस गज़ल के रचयिता शाह रियाज़ और संगीतकार मोहम्द जाहूर खय्याम जी हैं। इस गज़ल को आशा जी ने गाया है। यह गज़ल राग पहाड़ी तथा ताल कहरवा में निबद्ध है।

गज़ल के बोल-

स्थाई- इन आंखो की मस्ती के मस्ताने हज़ारों हैं

इन आंखों से वाबस्ता अफ़साने हज़ारों हैं

अंतरा- इक तुम ही नहीं तन्हा, उल्फत में मेरी रुस्वा

इस शहर में तुम जैसे दीवाने हज़ारों हैं

इन आंखों की---

3.3.5. दिल धड़कने का सबब याद आया-

यह गज़ल 'मिराज़ ए गज़ल एलबम' से ली गई है। इस गज़ल के रचयिता नासिर काज़मी और संगीतकार गुलाम अली जी हैं। इसे आशा भोंसले जी ने गाया है। यह गज़ल राग मिश्र जोग में तथा ताल कहरवा में निबद्ध है। जो श्रोताओं को भावविभोर कर देती है।

गज़ल के बोल-

स्थाई- दिल धड़कने का सबब याद आया
वो तेरी याद थी सब याद आया
अंतरा- आज मुश्किल या सम्भलना ऐ दोस्त
तू मुसीबत में अजब याद आया।
दिल धड़कने---[7]

3.4. भक्ति संगीत

3.4.1. तोरा मन दर्पण कहलाए

यह भजन फिल्म 'काजल' से लिया गया है। इस भजन की रचना साहिर लुध्यानवी जी ने और संगीत की रचना रवि जी ने की। यह भजन आशा जी द्वारा गाया गया है। यह भजन राग दरबारी कान्हड़ा के स्वरों पर आधारित है। तथा कहरवा ताल में निबद्ध है। यह भजन सुनकर श्रोताओं का मन प्रसन्न हो उठता है।

भजन के बोल-

स्थाई- तोरा मन दर्पण कहलाए

भले बुरे सारे कर्मों को देख और दिखाए

[7] ऊपर दी गई सभी गज़लों के बोलों, फिल्म एवं ऐलबम की जानकारी youtube.com से ली गई है।

अंतरा- मन ही देवता मन ही ईश्वर

मन से बड़ा न कोई

मन उजियारा जब जब फैले

जग उजियारा होए

इस उजले दर्पण पर प्राणी धूल न जमने पाए

तोरा मन ---

3.4.2. साई बाबा ओ साई बाबा-

यह भजन 'अब क्या होगा' एलबम से लिया गया है। इस भजन के रचनाकार सावन कुमार और संगीतकार ऊषा खन्ना जी है। इस भजन की गायिका आशा भोंसले जी हैं। यह भजन राग अहीरी तोड़ी तथा ताल कहरवा में निबद्ध है।

भजन के बोल-

स्थाई- सूने से जीवन के मन की कलियों को महकादो

सांई बाबा ओ साई बाबा

दुनियां ने विष बरसाया है तुम अमृत बरसादो

सांई बाबा साई बाबा

अंतरा- कैसी बनी सुहागन साजन के लिए अभागन

जिसके भगवन रुठ गए ,वो जाए कहां पुजारन

दुल्हन के सिन्दूर की रक्षा, तेरे हाथ है बाबा

जै जै सांई जै जै सांई जै जै सांई बाबा

सांई बाबा ओ साई बाबा

3.4.3. मन मोहन से प्रीत बढ़ाए-

यह भजन 'मेरा वचन' गीत की कसम से लिया गया है। इस भजन के रचनाकार हसरत जयपुरी और संगीतकार शंकर जयकिशन जी हैं। इस भजन को आशा जी ने गाया है। एस भजन के स्थाई में राग श्याम कल्याण के स्वरों का आभास होता है। और अंतरा राग सोहनी के स्वरों पर आधारित है तथा ताल कहरवा में निबद्ध है।

भजन के बोल-

स्थाई- मन मोहन से प्रीत बढ़ाए

कान सुनी तो सुध बिसराए

अंतरा- मर्जी तोरी चाहे छोड़ो

राखों बंधन चाहे तोड़ो

कब से कर ली तो से सगाई

मन मोहन से---

3.4.4. मैं क्या मांगू मेरे कन्हाई-

यह भजन फिल्म 'बिन फेरे हम तेरे' से लिया गया है। इस भजन के रचयिता इंदेवार और संगीतकार ऊषा खन्ना जी हैं। इस भजन को आशा जी ने गाया है। यह भजन राग सिन्धी भैरवी के स्वरों पर आधारित है। तथा ताल कहरवा में निबद्ध है।

बोल है-

स्थाई- मैं क्या मांगू मेरे कन्हाई

दू जाने मेरी किसमें भलाई

जो भी दे दे, सर आंखों पर, तू है अन्तर्यामी

सहारा तेरा रे ओ साई—

अंतरा- सारी दुनिया को जो खिलाए, उसको क्या मैं भोग लगाऊं

सांसो से जिसकी खिलते हैं मधुबन, उस पर क्या दो फूल चढ़ाऊं

तुझपे चढ़ाने मन लाई हूं कर ले तू स्वीकार

सहारा तेरा रे ओ साईं----

3.4.5. मेरे हृदय में बज रही साईं नाम की धुन-

इस भजन के रचनाकार एवं संगीतकार पांडुरंग दिक्षित जी हैं। इस भजन को आशा भोंसले जी ने गाया है। यह राग कमल भैरव के स्वरों पर आधारित है तथा ताल कहरवा में निबद्ध है।

भजन के बोल हैं-

स्थाई- मेरे हृदय की धड़कन में बज रही साईं नाम की धुन

साईं नाम गाते गाते नाचे तन छम छम

साईं नाम की धुन बज रही साई नाम की धुन

अंतरा– गगन है साई पवन है साईं

साईं नाथ अगन, आदि अंत नही

साईं को नहीं जन्म न मरण

निरंकार है निरगुण साईं

साई नाथ सगुण---

साईं नाम की धुन बज रही साई नाम की धुन

शबद गायन

3.4.6. मेरे साहिब मेरे साहिब तू मेहमान निमाणी-

यह शबद श्री गुरु ग्रन्थ साहिब में दर्ज है। यह शबद पांचवें गुरू श्री गुरु अर्जुन देव जी का है। इस शबद को फिल्म 'नानक नाम जहाज़ है' में आशा जी द्वारा गाया गया है। यह शबद आशा जी ने राग सोरठ, खमाज के मिले जुले स्वरों पर गाया है। तथा यह शबद ताल दादरा में निबद्ध है। इस शबद को एस.मोहेन्दर जी ने संगीतबद्ध किया है।

शबद के बोल-

मेरे साहिब मेरे साहिब मेरे साहिब मेरे साहिब

तूं मेहमान निमानी, तू मेहमान निमानी

अरदास करी प्रभ अपने आगे

सुन सुन जीवां तेरी बानी–2

मेरे साहिब मेरे साहिब––––

3.4.7. प्रभ जू तोह लाज हमारी-

यह शबद फिल्म 'नानक नाम जहाज़ है' में आशा जी द्वारा गाया गया है। यह शबद श्री गुरु ग्रन्ध साहिब में दर्ज है और श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी द्वारा रचित हैं। यह शबद आशा जी ने राग दरबारी कान्हड़ा में गाया हैं और ताल कहरवा में निबद्ध हैं। बोल है–

प्रभ जू तोह केह लाज हमारी

नील कण्ठ नरहर नारायण

नील बसन बनवारी –––रहाओ

3.4.8. भाई चरण गुरु मीठे-

इस शबद के संगीतकार 'सिंह बन्धु' हैं। यह शबद आशा जी ने गाया है। यह शबद श्री गुरु ग्रन्थ साहिब में दर्ज है। यह शबद पांचवे गुरु श्री गुरु अर्जुन देव जी का है। यह शबद राग गुजरी तोड़ी में गाया गया है तथा ताल कहरवा में निबद्ध है।

शबद के बोल-

माई चरन गुर मीठे

वडै भागि देवै परमेसरु

कोटि फला दरसन गुर डीठे–रहाओ

3.4.9. रे मन ऐसो कर सन्यास-

इस शबद के संगीतकार एस. मोहिन्दर हैं। यह शबद श्री गुरु ग्रन्ध साहिब मे दर्ज है। यह शबद दसवें गुरु श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी द्वारा रचित हैं। यह शबद आशा जी ने राग जन समोहिनी में गाया है और ताल कहरवा में निबद्ध किया गया है।

शबद के बोल-

ऐ मन ऐसो कर सन्यासा

बन से संघन सब है कर समझो

मन ही माहे उदासा

रे मन ऐसो कर सन्यासा–––[8]

निष्कर्ष– प्रस्तुत लघु शोध परियोजना से यह स्पष्ट होता हैं कि आशा भोंसले जी एक बहुमुखी गायिका हैं। आशा भौंसले जी के संगीत में एक रंग नहीं बल्कि अनेको रंग समाए हुए हैं। जहां आशा जी ने शास्त्रीय संगीत पर आधारित फिल्मी गीत गाए, गज़ले गाईं, भजन–शबद गायन सम्पन्न किया। वहीं दूसरी तरफ Western Music और

[8] [8] ऊपर दिए गए भजन एवं शबद के बोल, फिल्म एवं ऐलबम की जानकारी google.com तथा youtube.com से ली गई है।

Beat song गाए। जहां लता मंगेशकर जी ने विश्व में अपना एक मुकाम हासिल किया वहीं दूसरी तरफ आशा जी ने अपनी एक अलग पहचान बनाई। आज के दौर में संगीत से जुड़े हुए सभी विद्यार्थियों के लिए आशा जी एक मॉडल गायिका के रुप में उपस्थित हैं जो इस बात की प्रेरणा देती हैं कि समाज में रहने वाले श्रोताओं मे प्रत्येक वर्ग को संतुष्ट करने के लिए संगीत के कला साधक को अपने आपको तैयार करना है। सुगम संगीत की बहुरंगी प्रत्योक विधा को गाने के लिए आशा जी सदा ही प्रेरण स्त्रोत बनी रहेंगी।

सन्दर्भ सूची

- अध्यापक से विचार–विमर्श
- सहपाठियों से परिचर्चा
- https://www.wikipedia.org
- https://www.youtube.com
- Audio/Video Recording
- https://www.google.co.in
- Saregama Music